सिरि उसहदेव सामिस्स णमो । सिरि गोडी - जिराउला - सव्वोदयपासणाहाणं णमो । नमोऽत्थुणं समणस्स भगवओ महइ महावीर वद्धमाण सामिस्स । सिरि गोयम - सोहम्माइ सव्व गणहराणं णमो । सिरि सुगुरु - देवाणं णमो । **卐卐卐 पुप्फियाणं दसमं उवंगं पढमं अज्झयणं - चंदे**

卐卐卐 १) जइ णं भंते समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं उवंगाणं दोच्चस्स वग्गस्स कप्पवडिंसियाणं अयमट्ठे पन्नत्ते तच्चस्स णं भंते वग्गस्स उवंगाणं पुप्फियाणं के अट्ठे पन्नत्ते एवं खलु जंबू समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं उवंगाणं तच्चस्स वगस्स पुप्फियाणं दस अज्झयणा पन्नत्ता तं जहा ।१-१। (२३-१) २) चंदे सूरे सुक्के बहुपुत्तिय पुण्ण - माणिभद्दे य दत्ते सिवे बले य अणाढिए चेव बोद्धव्वे ॥१॥ (॥२॥)-१ ३) जइणं भंते समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पुप्फियाणं दस अज्झयणा पन्नत्ता पढमस्स णं भंते अज्झयणस्स पुप्फियाणं समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पन्नत्ते एवं खलु जंबू तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा निग्गया तेणं कालेणं तेणं समएणं चंदे जोइसिंदे जोइसराया चंदवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए चंदंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवे दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे-आभोएमाणे पासइ पच्छा समणं भगवं महावीरं जहा सूरियाभे आभियोगं देवं सद्दावेत्ता जाव सुरिंदाभिगमणजोग्गं करेत्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति सूसरा घंटा जाव विउव्वणा नवरं-जावविमाणं जोयणसहस्सविच्छिण्णं अद्धतेवट्ठिजोयणमूसियं महिंदज्झओ पणुवीसं जोयणमूसिओ सेसं जहा सूरियाभस्स जाव आगओ नट्टविही तहेव पडिगओ भंते त्ति भगवं समणं भगवं महावीरं पुच्छा कूडागारसाला दिट्ठंतो सरीरं अनुपविट्ठा पुव्वभवो-एवं खलु गोयमा तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था कोट्ठए चेइए तत्थ णं सावत्थीए नयरीए अंगई नामं गाहावई होत्था-अड्ढे जाव अपरिभूए तए णं से अंगई गाहावई सावत्थीए नयरीए बहूणं नगर निगम जहा आनंदो तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे णं अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जहा महावीरो नवुस्सेहे सोलसहिं समणसाहस्सीहिं अट्ठतीसाए अज्जियासाहस्सेहिं जाव कोट्ठए समोसढे परिसा निग्गया तए णं से अंगई गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे जगा कत्तिओ सेट्ठी निग्गच्छइ जाव पज्जुवासइ धम्मं सोच्चा निसम्म जं नवरं-देवाणुप्पिया जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेमि तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि जहा गंगदत्ते तहा पव्वइए अणगारे जाए-इरियासमिए जाव गुत्तबंभयारी तए णं से अंगइ अणगारे पासस्स अरहओ तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइय-माइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जित्ता बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे बहूइं वासाइं सामण्णं परियागं पाउणइ पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता विराहियामण्णे कालमासे कालं किच्चा चंदवडिंसए विमाणे उववातसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिया चंदजोइसिंदत्ताए उववण्णे तए णं से चंदे जोइसिंदे जोइसराया अहुणोववण्णे समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए-आहारपज्जत्तीए जाव भासमणपज्जत्तीए पज्जत्तभावं गए चंदस्स णं भंते जोइसिंदस्स जोइरण्णो केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता गोयमा पलिओवमं वाससहस्समब्भहियं एवं खलु गोयमा चंदस्स जोइसिंदस्स जोइरण्णो सा दिव्वा देविड्ढी चंदे णं भंते जोइसिंदे जोइसराया ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ गोयमा महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ एवं खलु जंबू समणेणं भगवया महावीरेणं पुप्फियाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ।१। (२३)-।**☆☆☆ बीअं अज्झयणं - सूरे ☆☆☆**

४) जइ णं भंते समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं उक्खेवओ भाणियव्यो एवं खलु जंबू तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया समोसरणं जहा चंदो तहा सूरोवि आगओ जाव नट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगओ पुव्वभवपुच्छा सावत्थी नयरी सुपइट्ठे नामं गाहावई होत्था-अड्ढे जहेव अंगई जाव विहरइ पासो समोसढो जहा अंगई तहेव पव्वइए तहेव विराहियसामण्णे जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिए एवं खलु जंबु समणेणं भगवया महावीरेणं दोच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ।२। **☆☆☆(२४) तइयं अज्झयणं - सुक्के ☆☆☆** ५) जइ णं भंते समणेणं भगवया महावीरेणं

जाव संपत्तेणं उक्खेवओ भाणियव्वो रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया सामी समोसढे परिसा निग्गया तेणं कालेणं तेणं समएणं सुक्के महग्गहे सुक्कवडिंसए विमाणे सुक्कंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जहेव चंदो तहेव आगओ नट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगओ भंते त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं पुच्छा कूडागारसाला दिट्ठतो पुव्वभवपुच्छा एवं खलु गोयमा तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी होत्था तत्थ णं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव बहूसु बंभण्णेसु य सत्थेसु सुपरिनिट्ठिए पासे समोसढे परिसा पज्जुवासइ तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स इमे एयारूवे अज्झत्थिए जाव एवं खलु पासे अरहा पुरिसादाणीए पुव्वाणुपुव्विं जाव अंबसालवणे विहरइ तं गच्छामि णं पासस्स अरहओ अंतिए पाउब्भवामि इमाइं च णं एयारुवाइं अट्ठाइं हेऊइं हेऊइं जहा पन्नत्तिए जाव संबुद्धे सावगधम्मं पडिवज्जित्ता पडिगए तए णं पासे अरहा अन्नया कयाइ वाणारसीओ नयरीओ अंबसालवणाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ, तए णं से सोमिले माहणे अण्णया कयाइ असाहुदंसणेण य अपज्जुवासणयाए य मिच्छत्तपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं सम्मत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं मिच्छत्तं विप्पडिवण्णे तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणे अच्चंतमाहण-कुलप्पसूए तए णं मए वयाइं चिण्णाइं जाव जूवा निक्खित्ता तं सेयं खलु मम इयाणिं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वाणारसीए नयरीए बहिया बहवे अंबारामे य माउलिंगारामे य बिल्लारामे य कविट्ठारामे य चिंचारामे य पुप्फारामे य रोवावित्तए-एवं संपेहेइ संपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए जाव पुप्फारामे य रोवावेइ तए णं बहवे अंबारामा य जाव पुप्फारामा य अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा संवड्ढिज्जमाणा आराम जाया-किण्हा किण्होभासा जाव रम्मा महा-मेहनिकुरंबभूया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेज्जिमाणसिरीया अईव-अईव उवसोभेमाणा चिट्ठंति तए णं स्स सोमिलस्स माहणस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणे अच्चंतमाहण कुलप्पसूए तए णं मए वयाइं चिण्णाइं जाव जूवा निक्खित्ता तए णं मए वाणारसीए नयरीए बहिया बहवे अंबारामा जाव पुप्फारामाय रोवाविया तं सेयं खलु ममं इयाणिं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुबहुं सोहकडाकडुच्छुयं तंबियं तावसभडं घडावेत्ता विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेत्ता मित्त-नाइ-जाव सम्माणेत्ता तस्सेव मित्त-नाइ० पुरओ जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता तं मित्त ० जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता सुबहुं लोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडंग गहाय जे इमे गंगाकूला वाणपत्था तावसा भवंति लोहकडाहकडुच्छुयं तंबिय तावसभंडंग गहाय जे इमे गंगाकूला वाणपत्था तावसा भवंति लोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूला वाणपत्था तावसा भवंति तं जहा-होत्तिया पोत्तिया कोत्तिया जण्णई सड्ढई थालइ हुंबउट्टा दंतुक्खलिया उम्मज्जगा संमज्जगा निमज्जगा संपक्खालगा दक्खिणकूला उत्तरकूला संखधमा कूलधमा मियलुद्धा हत्थितावसा उद्दंडगा दिसापोक्खिणो वक्कवासिणो बिलवासिणो जलवासिणो रक्खमूलिया अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा तयाहारा पत्ताहारा पुप्फाहारा फलाहारा बीयाहारा परिसडिय-कंद-मूल-तय-पत्त-पुप्फ-फलाहारा जलाभिसेयकढिण-गायभूया आयावणाहिं पंचग्गिहतावेहिं इंगालस्सोल्लियं कंदुसोल्लियं कट्टसोल्लियं पिव अप्पाणं करे-माणा विहरंति तत्थ णं जेते दिसापोक्खिया तावसा तेसिं अंतिए दिसापोक्खिय तावस त्ताए पव्वइत्तए पव्वइए वि य णं समाणे इमं एयारुवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झियपगिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहइसंपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए जाव दिसापोक्खयतावसत्ताए पव्वइए, पव्वइए वि य णं समाणे इमं एयारुवं अभिग्गहं अभिगिण्हित्ता पढमं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ तए णं सोमिले माहणरिसी पढमछट्ठक्खमण-पारणगंसि आयावणभूमिओ पच्चो रुहइ पच्चोरुहित्ता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता किढिणं-संकाइयं गेण्हइ गेण्हित्ता पुरत्थिमं दिसि पोक्खेइ पुरत्थिमाए दिसाए सोमे

महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसि-अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसिं जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताणि अनुजाण-उत्तिकट्ट पुरत्थिमं दिसं पसरइ पसरित्ता जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइं गेण्हइ गेण्हित्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता किढिण-संकाइयगं ठवेइ ठवेत्ता वेदिं वड्ढेइ वड्ढेत्ता उवलेवणसमंज्जणं करेइ करेत्ता दब्भकलसहत्थगए जेणेव गंगा महानई तेणव उवागच्छइ उवागच्छित्ता गंगं महानइं ओगाहइ ओगाहित्ता जलमज्जणं करेइ करेत्ता जलाभिसेयं करेइ करेत्ता जलकिड्डं करेइ करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइभूए देवपिउकयकज्जे दब्भकलसहत्तगए गंगाओ महानईओ पच्चुत्तरइ पच्चुत्तरित्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता दब्भे य कुसे य वालुयाए य वेदिं रएइ रएत्ता सरयं करेइ करेत्ता अरणिं करेइ करेत्ता सरएणं अरणिं महेइ महेत्ता अग्गिं पाडेइ पाडेत्ता अग्गिं संधुक्केइ संधुक्केत्ता समिहाकट्ठाणि पक्खिवइ पक्खिवित्ता अग्गिं ६) सकथं वक्कलं ठाणं सेज्जभंडं कमंडलुं दंडदारु तहप्पाणं अहे ताइं समादहे ॥२॥ (॥३॥)-२ ७) महुणा य धएणं य तंदुलेहि य अग्गिं हुणइ चरुं साहेइ साहेत्ता बलिं वइस्सदेवं करेइ करेत्ता अतिहियपूयं करेइ करेत्ता तओ पच्छा अप्पणा आहारं आहारेइं तए णं से सोमिले माहणरिसी दोच्चंछट्ठक्खमणपारणगंसि तं चेव सव्वं भाणियव्वं आहारं आहारेइइए णं तस्स सोमिलमाहणरिसिस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणरिसी अच्चंतमाहणकुलप्पसूए तए णं मए वयाइं चिण्णाइं जाव जूवा निक्खित्ता तए णं मए वाणारसीए जाव पुप्फारामा य रोवाविया तए णं मए सुबहुं लोए कडाहकडुच्छयं तंबियं तावसभंडं धडावेत्ता विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेत्ता जाव जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठवेत्ता जाव जेट्ठपुत्तं आपुच्छित्ता सुबहुं लोह जाव धडावेत्ता पव्वइए पव्वइए वि य णं समाणे छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरिए तं सेयं खलु ममं इयाणि कल्लं पाउप्पभाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरे सहसरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते बहवे तावसे दिट्ठभट्ठे य पुव्वसंगइए य परियायसंगइए य आपुच्छित्ता आसमसंसियाणि य बहूइं सत्तसयाइं अणुमाणइत्ता वागलवत्थनियत्तस्स किढिण-संकाइय-गहितग्गिहोत्त-संभंडो-वगरणस्स कट्ठमुद्दाए मुहं बंधित्तउत्तरदिसाए उत्तराभिमुहस्स महप्पत्थाणं पत्थाइत्तए-एवं संपेहेइ संपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव कट्ठमुद्दाए मुहं बंधइ बंधित्ता अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ-जत्थेव णं अहं जलंसि वा थलंसि वा दुग्गंसि वा निन्नंसि वा पव्वयंसि वा विसमंसि वा गड्डाए वा दरीए वा पक्खलेज्ज वा पवडेज्ज वा नो खलु मे कप्पइ पच्चुट्ठित्तएत्तिकट्टु अयमेयारुवे अभिग्गहं अभिगिण्हइ उत्तराए दिसाए उत्तराभिमुहे महप्पत्थाणं पत्थिए तए णं से सोमिले माहणरिसी पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागए असोगवर-पायवस्स अहे किढिय-संकाइयं ठवेइ ठवेत्ता वेदिं वड्ढेइ वड्ढेत्ता उवलेवणं-संमज्जणं करेइ करेत्ता दब्भकलसहत्थगए जेणेव गंगा महानई जहा सिवो जाव गंगाओ महानईओ पच्चुत्तरइ पच्चुतरित्ता जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता दब्बेहि य कुसेहि य वालुयाए य वेदिं रएइ रएत्ता सरगं करेइ करेत्ता जाव बलिं वइस्सदेवं करेइ करेत्ता कट्ठमुद्दाए मुहं बंधइ बंधित्ता तुसिणीए संचिट्ठइ तए णं से सोमिले तस्स देवस्स दोच्चंपि तच्चंपि एयमट्ठं नो आढाइ नो परिजाणइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ तए णं से देवे सोमिलेणं माहणरिसिणा अणाढाइज्जमाणे जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठिम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिनयरे तेयसा जलंते वागलवत्थनियत्थे किढिण-संकाइय-गहियग्गिहोत्त-भंडोवगरणे कट्ठमुहाए मुहं बंधइ बंधित्ता उत्तराभिमुहे संपत्थिए तए णं से सोमिले बिइयदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव सत्तिवण्णे तेणेव उवगाए सत्तिवण्णस्स अहे किढिण-संकाइयं ठवेइ ठवेत्ता वेदिं वड्ढेइ जहा असोगवरपायवे जाव उग्गिं हुणइ कट्ठमुद्दाए मुहं बंदइ तुससिणीए संचिट्ठिइ तए णं तस्स सोमिलस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे अंतियं पाउब्भूए तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवण्णे जहा असोगवरपायवे जाव पडिगए तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए जाव उत्तराभिमुहे संपत्थिए तए णं से सोमिले तइयदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता असोगवरपायवस्स अहे किढिण-संकाइयं ठवेइ ठवेत्ता वेदिं वड्ढेइ जाव गंगाओ महानईओ पच्चुत्तराइ पच्चुत्तरित्ता जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता वेदिं रएइ रएत्ता कट्ठमुद्दाए मुहं बंधइ बंधित्ता तुसिणीए संचिट्ठइ तए णं तस्स सोमिलस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले

एगे देवे अंतियं पाउब्भूए तं चेव भणइ जाव पडिगए तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उत्तराभिमुहे संपत्थिए तए णं से सोमिले चउत्थिदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव वडपायवे तेणेव उवागए वडपायवस्स अहे किढिण-संकाइयं ठवेइ ठवेत्ता वेदिं वड्ढेइ उवलेवण संमज्जणं करेइ जाव कट्ठमुद्दाए मुहं बंधइ तुसिणीए संचिट्ठइ तए णं तस्स सोमिलस्स पुव्वर-त्तावरत्तकाले एगे देवे अंतियं पाउब्भूए तं चेव भणइ जाव पडिगए तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उत्तराभिमुहे संपत्थिए तए णं से सोमिले पंचमदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव उंबरपायवे तेणेव उवागच्छइ उंबरपायवस्स अहे किढिण-संकाइयं ठवेइ जाव संचिट्ठइ तए णं तस्स सोमिलमाहणस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे जाव एवं वयासी-हंभो सोमिला पव्वइया दुप्पव्वइयं ते तए णं से सोमिले तेणं देवेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे तं देवं एवं वयासी-कहं णं देवाणुप्पिया मम दुप्पव्वइयं तए णं से देवे सोमिलं माहणं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया तुमं पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अंतियं पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे पडिवण्णे तए णं तव अण्णया कयाइं असाहुदंसणेणं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स जाव पुव्वचिंतियं देवो उच्चारेइ जाव जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छसि उवागच्छित्ता किढिण-संकाइयं जाव तुसिणीए संचिट्ठसि तए णं अहं पुव्वरत्तावरत्तकाले तव अंतियं पाउब्भवामि हंभो सोमिला पव्वइया दुप्पव्वइयं ते तह च्चेव देवो निरवयं भणइ जाव पंचमदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव उंबरपायवे तेणेव उवागए किढिण-संकाइयं ठवेसि वेदिं वड्ढेसि उवलेवण-संमज्जणं करेसि करेत्ता कट्ठमुद्दाए मुहं बंधेसि बंधेत्ता तुसिणीए संचिट्ठसि तं एवं खलु देवाणुप्पिया तव दुप्पव्वइयं तए णं से देवे सोमिलं एवं वयासि-जइ णं तुमं देवाणुप्पिया इयाणिं पुव्वपडिवण्णाइं पंच अनुव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ता णं विहरइ तए णं से सोमिले बहूहिं चउत्थ-छट्ठट्ठम जाव विचित्तेहिं तवोवहाणेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणइ पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ झूसेत्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ छेदेत्ता तस्स ठाणस्स अणालेइयपडिक्कंते विराहियसम्मत्ते कालमासे कालं किच्चा सुक्कविडंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव ओगाहणाए सुक्कमहग्गहत्ताए उववण्णे तए णं से सुक्के महग्गहे अहुणोववण्णे समाणे जाव भासमणपज्जत्तीए पज्जत्तभावं गए एवं खलु गोयमा सुक्केणं महग्गेणं सा दिव्वा जाव अभिसमण्णागए एगं पलिओवमं ठिई सुक्के णं भंते महग्गहे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं कहिं गच्छिहिइ गोयमा महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ निक्खेवो ० त्तिबेमि ।३। (२५)-☆☆☆ ३ **चउत्थं अज्झयणं-बहुपुत्तिया** ☆☆☆ (८) उक्खेवओ ० एवं खलु जंबू तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया सामी समोसढे परिसा निग्गया तेणं समएणं बहुपुत्तिया देवी सोहम्मे कप्पे बहुपुत्तिए विमाणे सभाए सुहम्माए बहुपुत्तियंसि सोहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं महत्तरियाहिं जहा सूरियाभे जाव भुंजमाणी विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवे दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी-आभोएमाणी पासइ पच्छा समणं भगवं महावीरं जहा सूरियाभो जाव नमंसित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहा संनिसण्णा आभिओगा जहा सूरियाभस्स सूसरा घंटा आभिओगं देवं सद्दावेइ जाणविमाणं जोयणसहस्साविच्छिण्णं जाणविमाणवण्णओ जाव उत्तरिल्लेणं निज्जाणमग्गेणं जोयणसाहस्सिएहिं विग्गहेहिं तहा आगया जहा सूरियाभो धम्मकहा समत्ता तए णं सा बहुपुत्तिया देवी दाहिणं भुयं पसारेइ-देवकुमाराणं अट्ठसयं देवकुमारियाण य वामाओ भुयाओ तयाणंतरं च णं बहवे दारगा य दारियाओ य डिंभए डिंभियाओ य विउव्वइ नट्टविहिं जहा सूरियाभो उवदंसित्ता पडगिया भंते त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ कूडागारसाला दिट्ठंतो बहुपुत्तियाए णं भंते देवीए सा दिव्वा देविड्ढी पुच्छा जाव अभिसमण्णागया एवं खलु गोयमा तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी अंबसालवणे चेइए तत्थ णं वाणारसीए नयरीए भद्दे नामं सत्थवाहे होत्था-उड्ढे जाव अपरिभूए तस्स णं भद्दस्स सुभद्दा नामं भारिया-सूमाला वंझा अवियाउरी जाणुकोप्परमाया यावि होत्था तए णं तीस सुभद्दाए सत्थवाहीए अन्नया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए ० संकप्पे समुप्पज्जित्था एवं खलु अहं भद्देणं सत्थवाहेणं सद्धिं विउलाइं

भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरामि नो चेव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि तं धन्नओ णं ताओ अम्मयाओ जाव सुलद्धे णं तासिं अम्मयाणं मणुए जम्मजीवियफले जासिं मण्णे नियगकुच्छिसंभूयगाइं थणदुद्धलुद्धगाइं महुरमुल्लावगाणि मम्मणपजंपियामि थणमूला कक्खदेसभागं अभिसरमाणाणि पण्हयं पियंति पुणो य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं गिण्हिऊणं उच्छंगनिवेसियाणि देंति समुल्लवाए सुमहुरे पुणो-पुणो मंजुलप्पभणिए अहं णं अधण्णा अपुन्ना अकयपुण्णा एत्तो एगमवि न पत्ता ओहय जाव झियाइ तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ णं अज्जाओ इरियासमियाओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ बहुस्सुयाओ बहुपरियाराओ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणीओ ० जेणेव वाणारसी नयरी तेणेव उवागयाओ जाव विहरंति तए णं तासिं सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए वाणारसीए नयरीए उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे भद्दस्स सत्थवाहस्स गिहं अनुपविट्ठे तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही ताओ अज्जताओ एज्जमाणीओ पासइ पासित्ता हट्ठतुट्ठा खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता सत्तट्ठपयाइं अनुगच्छइ अनुगच्छित्ता वंदइ जाव एवं वयासी-एवं खलु अहं अज्जाओ भद्देणं सत्थवाहेणं सद्धिं विउलाइं भोग-भोगाइं भुंजमाणी विहरामी नो चेव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव एत्तो एगमवि न पत्ता तं तुब्भे णं अज्जाओ बहुणायाओ बहुपढियाओ बहूणि गामागर-जाव सण्णिवेसाइं आहिंडह बहूणं राईसर-जाव सत्थवाहप्पभिइणं गिहाइं अनुपविसइ अत्थि से केइ कहिं चि विज्जापओए वा मंतप्पओए वा वमणं वा विरेयणं वा वत्थिकम्मे वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवलद्धे जेणं अहं दारगं वा दारियं वा पयाएज्जा एवं णं ताओ अज्जाओ सुभद्दं सत्थवाहिं एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिए समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव गुत्तबं-भचरिणीओ नो खलु कप्पइ अम्हं एयमट्ठं कण्णेहिं वि निसामेत्तए किमंग पुण उवदंसित्तए वा समायरित्तए वा अम्हे णं देवाणुप्पिए पुणं तव विचित्तं केवलिपन्नत्तं धम्मं परिकहेमो तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तासिं अज्जाणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा ताओ अज्जाओ तिक्खुत्तो वंदइ जाव एवं वयासी-सद्दहामि णं अज्जाओ निग्गंथं पावयणं पत्तियामि णं अज्जाओ निग्गंथं पायवणं रोएमि णं अज्जाओ निग्गंथं पायवणं एवमेयं तहमेयं अवितहमेयं जाव से जहेयं तुब्भे वयह इच्छामि णं अहं तुब्भं अंतिए सावगधम्मं पडिवज्जित्तए अहासुहं देवाणुप्पिए मा पडिबंधं करेहि तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तासिं अज्जाणं अंतिए सावगधम्मं पडिवज्जइ पडिवज्जित्ता ताओ अज्जाओ वंदइ जाव पडिविसज्जइ तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही समणोवासिया जाया जाव विहरइ

तए णं तीसे सुभद्दाए समणोवासियाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जागरमाणीए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं भद्देणं सत्थवाहेणं सद्धिं विउलाइं जाव विहरामि नो चेव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि तं सेयं खलु ममं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव भद्दं सत्थवाहं आपुच्छित्ता सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए-एवं संपेहेइ संपेहेत्ता कल्ले जेणेव भद्दे सत्थवाहे तेणेव उवागया जाव एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया तुब्भेहिं सद्धिं बहूइं वासाइं जाव विहरामि नो चेव णं दारगं वा दारियं वा पयामि तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी सुव्वयाणं अज्जाणं जाव पव्वइत्तए तए णं से भद्दे सत्थवाहे एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिए इयाणिं ० पव्वयाहि भुंजाहिं ताव देवाणुप्पिए मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं तओ पच्छा भुत्तभोई सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए ० पव्वयाहिं तए णं सुभद्दा सत्थवाही भद्दस्स एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणइ दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-इच्छामि णं देवाणुप्पिया तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी जाव पव्वइत्तए तए णं से भद्दे सत्थवाहे जाहे नो संचाएइ बहूहिं आघवणाहिं य पन्नवणाहि य सण्णवणाहि य विण्णवणाहि य आघवित्तए वा ० जाव विण्णवित्तए वा ताहे अकामए चेव सुभद्दए निक्खमणं अनुमण्णित्था तए णं से भद्दे सत्थवाहे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ मित्त नाइ-जाव आमंतेइ तओ पच्छा भोयणवेलाए जाव मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियण विपुलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं धूव-पुप्फ-वत्थगंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेइ सम्माणेइ सुभद्दं सत्थवाहिं ण्हायं जाव पायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहेइ तए णं से भद्दे सत्थवाहे मित्त-जाव परियणेण सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव दुंदुहि-निग्घोसणाइयवरवेणं वाणारसीनयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सुव्वयाणे अज्जाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता पुरिससहस्स - वाहिणिं सीयं ठवेइ सुभद्दं सत्थवाहिं सीयाओ पच्चोरुहेइ तए णं भद्दे सत्थवाहे सुभद्दं

सत्थवाहिं पुरओ काउं जेणेव सुव्वया अज्जा तेणेव उवागच्छइ जाव नमंसित्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया सुभद्दा सत्थवाही मम भारिया इट्ठा कंता जाव मा णं वाइया पित्तिया सिंभिया सण्णिवाइया विविहा रोगायंका फुसंतु एस णं देवाणुप्पिया संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पियाणं अंतिए ० पव्वयाइ तं एयं णं अहं देवाणुप्पियाणं सीसिणिभिक्खं दलयामि पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया सीसिणिभिक्खं अहासुहं देवाणुप्पिया मा पडिबंध करेहि तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवं वुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ अवक्कमित्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ ओमुइत्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ करेत्ता जेणेव सुव्वयाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ जाव नमंसित्ता एवं वयासी-आलित्ते णं अज्जा लोए जहा देवाणंदा तहा पव्वइया जाव अज्जा जायाइरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी तए णं सा सुभद्दा अज्जा अण्णया कयाइ बहुजणस्स चेडरूवेसु मुच्छिया जाव अज्झोववण्णा अब्भंगणं च उव्वटणं च फासुयपाणं च अलगत्तंग च कंकणाणि य अंजणं च वण्णगं च चुण्णगं च खेल्लणगाणि य खज्जल्लगाणि य खीरं च पुप्फाणि य गवेसइ गवेसित्ता बहुजणस्स दारए य जाव डिंभियाओ य अप्पेगइयाओ अब्भंगेइ जाव ण्हावेइ अप्पेगइयाणं पाए रयइ अप्पेगइयाणं ओट्ठे रयइ अप्पेगइयाणं अच्छीणि अंजेइ अप्पेगइयाणं उसुए करेइ अप्पेगइयाणं तिलए करेइ अप्पेगइ-याओ दिगिंदलइ करेइ अप्पेगइयाणं पंतियाओ करेइ अप्पेगइयाइं छिज्जाइं करेइ अप्पेगइया वण्ण-एणं समालभइ अप्पेगइया चुण्णएणं समालभइ अप्पेगइयाणं खेल्लणगाइं दलयइ अप्पेगइयाणं खज्जलगाइं दलयइ अप्पेगइयाओ खीरभोयणं भुंजावेइ अप्पेगइयाणं पुप्फाइं ओमुयइ अप्पेगइयाओ पाएसु ठवेइ अप्पेगइयाओ जंघासु ठवेइ एवं-ऊरुसु उच्छंगे कडीए पिट्ठीए पिट्टे उरसि खंधे सीसे य करयलपुडेणं गहाय हलउलेमाणी-हलउलेमाणी आगायमाणी-आयायमाणी परिगायमाणी-परि-गायमाणी पुत्तपिवासं च धूयपिवासं च नत्तुयपिवासं च नत्तिपिवासं च पच्चणुभवमाणी विहरइ तए णं तओ सुव्वयाओ अज्जाओ सुभद्दं अज्जं एवं वयासी-अम्हे णं देवाणुप्पिए समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव गुत्तबंभयारिणीओ नो खलु अम्हं कप्पइ धाइकम्मं करेत्तुए तुमं च णं देवाणुप्पिए बहुजणस्स चेडरूवेसु मुच्छिया जाव नत्तिपिवासं वा पच्चणुभवमाणी विहरसि तं णं तुमं देवाणुप्पिए एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पायच्छित्तं पडिवज्जाहि तए णं सा सुभद्दा अज्जा सुव्वयाणं अज्जाणं एयमट्ठं नो आढाइ नो परिजाणइ अणाढायमाणीअपरिजाणमाणी विहरइ तए णं ताओ समणीओ निग्गंथीओ सुभद्दं अज्जं हीलेंतिं अणाढायमाणी अपरिजाणमाणी विहरइ तए णं ताओ समणीओ निग्गंथीओ सुभद्दं अज्जं हीलेंतिं निंदंति खिंसंति गरहंति अभिक्खणं-अभिक्खिणं एयमट्ठं निवारंति तए णं तीसे सुभद्दाए अज्जाए समणीहिं निग्गंथीहिं हीलिज्जमामीए जाव अभिक्खणं-अभिक्खणं एयमट्ठं निवारिज्जमाणीए अयमेयारूवे ० संकप्पे समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अगारवासं आवासामि तया णं अहं अप्पवसा जप्पभिइं च णं अहं ० पव्वइया तप्पभिइं च णं अहं परवसा पुव्विं च मम समणीओ निग्गंथीओ आढेंति परिजाणेंति इयाणिं ना आढेंति नो परिजाणंति तं सेयं खलु मे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते सुव्वयाणं अज्जाणं अंतियाओ पडि-निक्खमित्ता पाडिएक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए-एवं संपेहेइ संपेहेत्ता कल्लं पाउप्प-भायए रयणीए जाव उपसंपज्जित्ता णं विहरइ तए णं सा सुभद्दा अज्जा अज्जाहिं अणोहट्टिया अणिवारिया सच्छंदमई बहुजणस्स चेडरूवेसु मुच्छिया जाव अब्भगणं च जाव नत्तिपिवासं च पच्चणभवमाणी विहरइ तए णं सा सुभद्दा अज्जा पासत्था पासत्थविहारी ओसण्णा ओसण्णविहारी कुसीला कुसीलविहारी संसत्ता संसत्तविहारी अहाछंदा अहाछंदविहारी बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता तस्स ठाणस्स अणालोइय अपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे बहुपुत्तियाविमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिया अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए बहुपुत्तियदेवित्ताए उववण्णा तए णं सा बहुपुत्तिया देवी अहुणोववण्णमेत्ता समाणी पंचविहए पज्जत्तीए जाव भासमणअभिसमण्णागए से केणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ-बहुपुत्तिया देवी बहुपुत्तिया देवी गोयमा बहुपुत्तिया णं देवा जाहे-जाहे सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो उवत्थाणियं करेइ ताहे-ताहे बहवे दारए य जाव डिंभियाओ य विउव्वइ विउव्वित्ता जेणेव सक्के देविंदे देवराया तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभावं उवदंसेइ से तेणट्ठेणं गोयमा एवं वुच्चइ-

बहुपुत्तिया देवी बहुपुत्तिया देवी, बहुपुत्तियाए णं देवीए चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पन्नत्ता, बहुपुत्तिया णं भंदे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अनंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ गोयमा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले विभेलसण्णिवेसे माहण-कुलंसि दारियत्ताए पच्चायाहिए तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते निवत्ते असुइजाकम्मकरणे संपत्ते बारसाहे अयमेयारूवं नामधेज्जं करेहिंतिं-होउ णं अम्हं इमीसे दारियाए नामधेज्जं सोमा तए णं सा सोमा उम्मुक्कबालभावा विण्णय-परिणयमेत्ता जोव्वणगमणुप्पत्ता रुवेणं य जोव्वणेणं य लावण्णेय उकिकट्ठा उकिकट्ठसरीरा वि भविस्सइ तए णं तं सोमं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं विण्णय-परिणयमेत्तं जोव्वणगमणुप्पत्तं पडिरुविएणं सुक्केणं पडिरुविएणं य विणएणं नियगस्स भाइणेज्जस्स रट्ठकूडस्स भारियत्ताए दलइस्संति सा णं भारिया भविस्सइ-इट्ठा कंता जाव भंडकरंडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया चेलपेला इव सुसंपरिहिया रयणकरंडगो विव सुसारक्खिया सुसंगोविया मा णं सीयं जाव विविहा रोयायंका फुसंतु तए णं सा सोमा माहणी रट्ठकूडेणं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी संवच्छरे-सवंच्छरे जुयलंग पयायमाणी सोलसेहिं संवच्छरेहिं बत्तीसं दारगरूवे पयाहिइ तए णं सा सोमा माहणी तेहिं बहूहिं दाहगेहि य जाव डिंभियाहि य-अप्पेगइएहिं उत्ताणसेज्जएहिं अप्पेगइएहिं थणपाएहिं अप्पेगइहिं पीइग-पाएहिं अप्पेगइएहिं परंगणएहिं अप्पेगइएहिं परक्कममाणेहिं अप्पेगइएहिं पक्खेलणेहिं अप्पेगइएहिं थणं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं खीरं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं तेल्लं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं खेल्लणयं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं खज्जगं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं कूरं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं पाणियं मग्गमाणेहिं अप्पेगइएहिं हसमाणेहिं अप्पेगइएहिं हणमाणेहिं अप्पेगइएहिं हम्ममाणेहिं अप्पेगइएहिं विप्पलायमाणेहिं अप्पेगइएहिं अणुगम्ममाणेहिं अप्पेगइएहिं रोयमाणेहिं अप्पेगइहिं कंदमाणेहिं अप्पेगइएहिं विलवमाणेहिं अप्पेगइएहिं कूवमाणेहिं अप्पेगइहिं कक्वमाणेहिं अप्पेगइएहिं निद्दायमाणेहिं अप्पेगइएहिं पलवमाणेहिं अप्पेगइहिं हदमाणेहिं अप्पेगइएहिं वममाणेहिं अप्पेगइहिं छेरमाणेहिं अप्पेगइएहिं मुत्तमाणेहिं मुत्त-पुरिस-वमिय-सुलित्तोवलित्ता मइलवसणपोच्चडा असुइबीभच्छा परमदुग्गंधा नो संचाएहिए रट्ठकूडेणं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरत्तिए तए णं तीसे सोमाए माहणीए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव संकप्पे समुप्पज्जित्था-एवं खलु अहं इमेहिं बहूहिं दारगेहिं य जाव डिंभियाहि य अप्पेगइएहिं उत्ताणसेज्जएहिं जाव अप्पेगइएहिं मुत्तमाणेहिं दुज्जाएहिं दुज्जम्मएहिं हयविप्पहयभग्गेहिं एगप्पहारपडिएहिं जेणं मुत्त-पुरीस-वमिय-सुलित्तोवलित्ता जाव परमदुग्गंधा नो संचाएमि रट्ठकूडेणं सद्धिं जाव विहरित्तए तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव सुलद्धे णं तासिं अम्मयाणं मणुए जम्मजीवियफले जाओ णं वंझाओ अवियाउरियाओ जाणुकोप्परमायाओ सुरभिसुगंधगंधियाओ विउलाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणीओ विहरंति अहं णं अधण्णा अपुण्णा जाव विहरित्तए तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ नाम अज्जाओ इरियासमियाओ जाव बहुपरिवराओ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणीओ ० विभेले सण्णिवेसे उवागच्छंति उवागच्छित्ता अहापडिरुवं ओग्गहं जाव विहरंति तए णं तासिं सुव्व्याणं अज्जाणं एगे संघाडए विभेले सण्णिवेसे उच्च-नीय-जाव अडमाणे रट्ठकूडस्स गिहं अनुपविट्ठे तए णं सा सोमा माहणी ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ पासित्ता हट्ठा खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ अब्बुट्ठेत्ता सत्ताट्ठपयाइं अनुगच्छइ जाव पडिलाभेत्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं अज्जाओ रट्ठकूडेणं सद्धिं ० सोलसहिं संवच्छरेहिं बत्तीसं दारगरूवे पयाया तए णं अहं तेहिं बहूहिं दारएहि य जाव डिंभियाहि य अप्पेगइएहिं उत्ताणसेज्जएहिं जाव मुत्तमाणेहिं दुज्जाएहिं जाव नो संचाएमि विहरित्तए तं इच्छामि णं अहं अज्जाओ तुम्हं अंतिए धम्मं निसामेत्तए ते णं ताओ अज्जाओ सोमाए माहणीए विचित्तं केवविपन्नत्तं धम्मं परिकहेंतिं तए णं सा सोमा माहणी तासिं अज्जाणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव एवं वयासी-सद्दहामि णं अज्जाओ निग्गंथं पावयणं जाव अब्भुट्ठेमि णं अज्जाओ निग्गंथं पावयणं एवमेयं अज्जाओ जाव से जहेयं तुब्भे वयह जं नवरं-अज्जाओ रट्ठकूडं आपुच्छामि तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए ० पव्वयामि अहासुहं देवाणुप्पिए मा पडिबंध, तए णं सा सोमा माहणी ताओ अज्जाओ वंदइ जाव पडिविसज्जेइ तए णं सा सोमा माहणी जेणेव रट्ठकूडे तेणेव उवागया जाव एवं वयासी-एवं खलु मए देवाणुप्पिया अज्जाणं अंतिए धम्मे निसंते से वि य णं धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुईए तए णं अहं इच्छामि देवाणुप्पिया तुब्भेहिं

अब्भणुण्णाया सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए ० पव्वइत्तए तए णं से रट्ठकूडे सोमं माहणिं एवं वयासी-मा णं तुमं देवाणुप्पिए इयाणिं मुंडा भवित्ता ० पव्वयाहि भुंजाहि ताव देवाणुप्पिए मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं तओ पच्छा भुत्तभोई सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए ० पव्वयाहि तए णं सा सोमा माहणी रट्ठकूडस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ तए णं सा सोमा माहणी ण्हाया जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा चोडि-वरचक्कवालपरिकिण्णा साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता विभेलं सण्णिवेसं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुव्वयाणं अज्जाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता सुव्वयाओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ पज्जुवासइ तए णं ताओ सुव्वयाओ अज्जाओ सोमाए माहणीए विचित्तं केवलिपन्नत्तं धम्मं परिकहेंति-जहा जीवा बज्झंति जहा जीवा मुच्चंति तए ण सा सोमा माहणी सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ पडिवज्जित्ता सुव्वयाओ अज्जाओ वंदइ जाव नमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया तए णं सा सोमा माहणी समणोवासिया जाया-अभिगयजीवाजीवा जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ तए णं ताओ सुव्वयाओ अज्जाओ अण्णया कयाइ विभेलाओ सण्णिवेसाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयबिहारं विहरंति तए णं ताओ सुव्वयाओ अज्जाओ अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणीओ जाव विहरंति तए णं सा सोमा माहणी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठा ण्हाया तहेव निग्गया जाव वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता धम्मं सोच्चा जाव जं नवरंरट्ठकूडं आपुच्छामि तए णं पव्वयामि अहासुहं तए णं सा सोमा माहणी सुव्वयाओ अज्जाओ वंदइ जाव जेणेव सए गिहे जेणेव रट्ठकूडे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता करयलपरिग्गहिया तहेव आपुच्छइ जाव पव्वइत्तए अहासुहं देवाणुप्पिए मा पडिबंध ते णं से रट्ठकूडे विउलं असणं तहेव जहा पुव्वभवे सुभद्दा जाव अज्जा जाया-इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी तए णं सा सोमा अज्जा सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जित्ता बहूहिं छट्ठट्ठमदसम-दुवालसेहिं जाव भावेमाणी बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता आलोइय-पडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सामाणियदेवत्ताए उववज्जिहिइ तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता तत्थ णं सोमस्सवि देवस्स दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता से णं भंते सोमे देवेताओ देवलोगओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ गोयमा महाविदेहे वासे जाव अंतं काहिइ एवं खलु जंबू समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पुप्फियाणं चउत्थस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते त्ति बेमि ।४।-४ **☆☆☆ पंचम अज्झयणं-पुन्नभद्दे ☆☆☆** ९) जइ णं भंदे समणेणं भगवया महावीरेणं उक्खेवओ ० एवं खलु जंबू तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया सामी समोसरिए परिसा निग्गया तेणं कालेणं तेणं समएणं पुन्नभद्दे देवे सोहम्मे कप्पे पुन्नभद्दे विमाणे सभाए सुहम्माए पुन्नभद्दंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जहा सूरियाभे जाव बत्तीसइविहं नट्टविहिं उवदंसित्ता जाव जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए कूडागारसाला पुव्वभवपुच्छा एवं खलु गोयमा तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे मणिवइया नामं नयरी होत्था-रिद्धत्थिमिय-समिद्धा चंदोतारायण चेइए तत्थ णं मणिवइयाए नयरीए पुन्नभद्दे नामं गाहावई परिवसईअड्ढे तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना जाव जीवियास-मरणभय-विप्पमुक्का बहुस्सुया बहुपरियारा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा जाव समोसढा परिसा निग्गया तए णं से पुन्नभद्दे गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे जाव जहा पन्नत्तीए गंगदते तहेव निग्गच्छइ जाव निक्खंतो जाव गुत्तबंभयारी तए णं से पुन्नभद्दे अणगारे तहारुवाणं थेराणं भगवंताणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जित्ता बहूहिं चउत्थ-चट्ठट्ठम-दसम-दुवालसेहिं जाव भावित्ता बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइय-पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे पुन्नभद्दे विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव भासमणपज्जत्तीए पज्जत्तभावं गए एवं खलु गोयमा पुन्नभद्दे देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया पुन्नभद्दस्स देवस्स दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता पुन्नभद्दे देवे ताओ देवलोगाओ ० महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिए एवं खलु जंबू

समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं निक्खेवओ ० त्ति बेमि ।५। (२७)-५ ☆☆☆ **छट्ठं अज्झयणं-माणिभद्दे** ☆☆☆ १०) जइ णं भंते समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं उक्खेवओ ० तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया सामी समोसरिए तेणं कालेणं तेणं समएणं माणिभद्दे देवे सभाए सुहम्माए माणिभद्दंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जहा पुन्नभद्दो तहेव आगमणं नट्टविही पुव्वभवपुच्छा मणिवई नयरी माणिभद्दे गाहावई थेराणं अंतिए पव्वज्जा एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूइं वासाइं परियाओ मासिया संलेहणा सट्ठिं भत्ताइं माणिभद्दे विमाणे उववाओ दो सागरोवमाइं ठिई महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ एवं खलु जंबु निक्खेवओ ।६-१। ६-१ ☆☆☆ **७-२०-अज्झयणाणि** ☆☆☆ ११) एवं दत्ते सिवे बले अणाढिए सव्वे जहा पुन्नभद्दे देवे दो सागरोवमाइं ठिई विमाणा देवसरिनामा पुव्वभवे दत्ते चंदणानामाए सिवे मिहिलाए बले हत्थिणपुरे नयरे अणाढिए काकंदीए चेइयाइं-जहा संगहणीए ।६। (२८)- **卐卐卐 ६ पुप्फियाणं सम्मत्तं दसमं उवंगं समत्तं 卐卐卐**